

आर. के. कर्मा,
सचिव,
उत्तराखण राजन् ।

तेजा मे.

उप निदेशक,
भैनिक कल्याण एवं पुनर्वासि,
उत्तराखण, देहरादून ।

भैनिक कल्याण अनुसार
विळाय- उत्तराखण के द्वितीय विषय पुर्ष के भूतपूर्व भैनिकों/शहीद भैनिकों की
विधायाओं को ऐप भेंगन ₹० २५०/- से बढ़ाकर ₹० ५००/-प्रति मास
किया जाना ।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रकि २००१/टिड०विड००/स०५०-२/भेंगन, दिनांक -
०१. १०. २००१ के तंदर्भ में मुझे यह लगने का निदेश हुआ है कि राज्यपाल महोदय
उत्तराखण में निवास करने वाले द्वितीय विषय पुर्ष के भूतपूर्व भैनिकों/शहीद भैनिकों
की विधायाओं दो कारण पोषण के लिए उन्हें दी जा रही ₹० २५०/-रु० ५०० की मात्रिक
भेंगन की धानराशि दिनांक ०९ नवम्बर, २००१ से बढ़ाकर ₹० ५००/-रु० ५०० किये जाने की
तहाँ स्वीकृति भिन्ननिहित गतों एवं प्रतिवर्षों के प्रधान प्रदान छोड़े हैं ।

१- भेंगनरों की पात्रता के बारे में भारत सरकार के रहा मंत्रालय से जब
तक पुष्ट नहीं करा ली जाती, तब तक बढ़ी दरों पर भेंगन का मुगालान नहीं किया
जास्ता ।

२- द्वितीय विषय पुर्ष के प्रश्नगत भेंगनरों के संबंध में एक सर्वे करा लिया जाए
जिसे यह सुनिश्चित हो सके कि संबंधित भेंगन जीवित हैं और उन्हें भेंगन की धनराशि
सम्यक रूप से प्राप्त हो रही है। प्रश्नगत सर्वे आप द्वारा ५ माह के अन्दर पूरा कर
लिया जाए ।

३- पूर्व प्रधानित नियमाला में ₹० २५०/- के स्थान पर ₹० ५००/- करने से
संबंधित संशोधन एवं सम्पर्क लर दिये जाएंगे एवं तब तक ₹० ५००/- इतिमाह की दर से
भेंगन का मुगालान किया जास्ता ।

४- उपर्युक्त स्पष्ट भैनिकों के अनुसार वितरित हो जाएंगी तथा इस बात को भी
सुनिश्चित किया जाएगा कि व्यष्ट की जाने वाली धनराशि के लिए वित्तीय
हस्ताप्रतिकाएवं बजट भेनुअल में उपतर्क गतों एवं प्रतिवर्षों का उल्लंघन न हो ।

2- इस स्वीकृति के प्रत्यरूप होने वाला व्यय *अनु०सं०- 15 के नेता-
सीरिज़- 2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण, आयोजनेतार-60- अन्य
सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण कार्यक्रम-200-अन्य कार्यक्रम-03-तेजिक कल्याण-09
उत्तरांचल के निवासी, द्वितीय विश्व पूद्द के भूतपूर्व भैनिकों एवं उनकी आश्रित
धिपायाज्ञों को प्रेसान स्वीकृत-42-अन्य व्यय* नामे में डाला जायेगा ।

3- यह आदेश वित्त किराये के अशा०सं०-३७।/वि०नु०-२ /२००१
दिनांक ०८.०१.२००२ में प्राप्त उनकी सहमति ने जारी किये था रहे हैं ।

मात्रीय,

आर.के.घर्मा
संहित ।

संख्या-०६॥१/स०क०-५६४॥कल्याण॥/२००१ तद्दिनांक ।

प्रतिलिपि- सचिव, रक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
को इस अनुरोध के तात्त्व फ्रेडित फि कृपया इस बात की पुष्टि करने का कह
करें कि द्वितीय विश्व पूद्द के भूतपूर्व भैनिकों अपाया उनकी धिपायाज्ञों को
उत्तरांचल सरकार द्वारा जो प्रेसान दी जा रही है, उसके लिए प्रदेश सरकार
ने प्रेसान प्राप्त करने के पात्र है ।

आज्ञा से,

गरिमा रौकी
अनुसंधित ।

संख्या-०६॥२॥/स०क०-५६४॥कल्याण॥/२००१ तद्दिनांक ।

प्रतिलिपि-मिस्त्रांकित को सूचनार्थी एवं आवाप्क कार्यालयी हेतु प्रियत:-
१- भारतेशाकार, नेता॥पृथग॥, उत्तरांचल ।
२- भारतेशाक, पुनर्वास, १६० गन्त्रालय, भारत सरकार, आरक०
पुरम, नई दिल्ली ।

.... 3.....

3- संधिव, केन्द्रीय भैनिक बोर्ड, रक्षा मन्त्रालय भारत सरकार भौताना
आजाद मार्ग, नई दिल्ली ।

4- समस्त जिला पिकारी/अधिकारी, जिला भैनिक कल्याण सर्व पुनर्वास
उत्तरांचल ।

5- समस्त कोडा पिकारी, उत्तरांचल ।

6- समस्त जिला भैनिक कल्याण सर्व पुनर्वास अधिकारी, उत्तरांचल ।

7- वित्त अनुमान ।

8- जपर संधिव, वित्त, उत्तरांचल शासन ।

9- निजी संधिव, भारतीय समाज कल्याण मन्त्री, उत्तरांचल ।

10- गाई फाहल ।

आज्ञा मे,
गरिमा रोकली
जनुसंधिव